University of Delhi Centenary Year

University of Delhi is celebrating its 100th year. Established in 1922, it is a premier university with an unparalleled legacy and international acclaim for highest academic standards, diverse educational programmes, distinguished faculty members, illustrious alumni, varied co-curricular activities and modern infrastructure and stands tall by all parameters. Throughout the period of its existence, the University has sustained the highest global standards and best practices in higher education. Its long-term commitment to nation-building and unflinching adherence to universal human values are reflected in its motto: 'Nishtha Dhriti Satyam' निष्ठा धृति सत्यम्' (Dedication, Steadfastness and Truth).

The University was established by the Act of the then Central Legislative Assembly, with a vision of excellence in teaching, research and social outreach, has made the University a role-model and trend-setter for other universities. The President of India is the Visitor, the Vice-President is the Chancellor and the Chief Justice of the Supreme Court of India is the Pro-Chancellor of the University. Beginning with three colleges and 750 students, it has grown into one of the largest universities in India with 16 faculties, over 80 academic departments, an equal number of colleges and about eight lakh students. Over 550 programmes are offered by the University through various Colleges, Departments and Centres. It has about 2,000 foreign students from 75 countries.

Drawing students and faculty from across India and abroad, the University has emerged as a symbol of excellence, integrity and openness of *manasA* (thought), *vAchA* (speech) and *karmana* (action).

From Sir Hari Singh Gaur, the first Vice-Chancellor to Prof Yogesh Singh, the current Vice Chancellor, the University of Delhi has come a long way in its 100-year scintillating journey. It has provided eight Heads of the State worldwide, hundreds of lawmakers, CEOs of top 100 Fortune companies, countless movie stars, litterateurs, scientists, philanthropists, art and culture connoisseurs and sportspersons. More than hundred have been given Padma Awards. The University promotes gender equality and empowerment through a number of courses and through its policies.

The University today boasts of a good central library 33 big libraries apart from over 80 libraries in colleges with more than 6.6 million books. The University has also laid fibre-optic network in the North and the South Campuses connecting all colleges and departments.

When the University of Delhi expanded in many directions to keep pace with a rapidly growing city, South Campus was established in 1973. It moved to its present location of 69 acres of green, hilly terrain near Dhaula Kuan in 1984. Besides these, the University has three Health Centres with modern medical facilities. At present, both Campuses provide some residential quarters for the staff. Outstation students are offered accommodation in several hostels which include two international hostels.

The University has maintained its top position in the country as per the Centre for World University Ranking (CWUR) and 8th position in the National Institutional Ranking Framework. It is also among the top 10 Indian public educational institutions/universities and the first among Indian public universities under QS BRICS University Rankings. The h-index of the University touched 192, one of the highest among Indian universities.

The Vision and Mission statements of the University of Delhi reflect the resolve to assiduously pursue and achieve goals. It is committed to continue to be at the forefront of providing the best tertiary education to students and acting as a catalyst in shaping a bright and sustainable future of our nation and that of the whole world by acting as a bridge between the University community and the community at large. University of Delhi stands to foster all-round development of students through multi-faceted education and sustained engagement with local, national and global communities, and nurture lifelong inspired learners from across the globe in line with cultural ideal of 'Vasudhaiva Kutumbakam.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Centenary Celebrations of University of Delhi and salute its contribution in nation building through excellence in education.

Credit:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Referenced from the contents provided by Prof. Amarjiva Lochan, University of Delhi.

डाक विभाग
Department of Posts

दिल्ली विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष
UNIVERSITY OF DELHI CENTENARY YEAR

विवरणिका BROCHURE

दिल्ली विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष

दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 1922 में हुई। अप्रतिम विरासत का धनी यह विश्वविद्यालय अपने सर्वोच्च अकादमिक मानकों, विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों, प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों तथा यशस्वी पूर्व छात्रों के लिए विश्वविख्यात है तथा समस्त शैक्षणिक मानदंडों के आधार पर सर्वोत्कृष्ट है। इसके साथ–साथ यहां के पाठ्येतर कार्यकलाप तथा अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी वैश्विक स्तर का है। इस विश्वविद्यालय ने उच्चतर शिक्षा के सर्वोच्च वैश्विक मानकों को बनाए रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को अपनाया है। राष्ट्र–निर्माण के व्यापक दृष्टिकोण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का अडिग अनुपालन इसके आदर्श वाक्य : 'निष्ठा धृति सत्यम' (समर्पण, दृढ़ संकल्प और सत्य) में ही परिलक्षित होता है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना तत्कालीन केंद्रीय विधान सभा के एक अधिनियम के माध्यम से की गई। इसकी स्थापना का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और सामाजिक पहुंच में उत्कृष्टता प्राप्त करना था। इसी दिशा में कार्य करते हुए आज यह विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श और अनुकरणीय उदाहरण बन कर उभरा है। भारत के राष्ट्रपति इस विश्वविद्यालय के विजिटर (कुलाध्यक्ष) हैं, उपराष्ट्रपति इसके चांसलर (कुलाधिपति) हैं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रो–चांसलर (सम–कुलाधिपति) हैं। मात्र तीन कॉलेजों और इनके अंतर्गत शिक्षारत 750 छात्रों के साथ शुरूआत करने वाला यह विश्वविद्यालय आज भारत के विशालतम विश्वविद्यालयों में से एक है। इसके अंतर्गत 16 संकाय, 80 से अधिक अकादमिक विभाग, इतनी ही संख्या में कॉलेज और लगभग आठ लाख छात्र हैं। यह विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों, विभागों और केंद्रों के माध्यम से 550 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। यहां 75 देशों से लगभग 2,000 विदेशी छात्र भी अध्ययनरत हैं।

देश–विदेश से छात्रों और शिक्षकों को आकर्षित करते हुए यह विश्वविद्यालय मनसा (मन से), वाचा (वचन से) और कर्मणा (कर्म से) उत्कृष्टता, निष्ठा और मुक्त स्वरूप की शिक्षा के प्रतीक के रूप में उभरा है।

विश्वविद्यालय के पहले कुलपति सर हरि सिंह गौर से लेकर वर्तमान कुलपति प्रो. योगेश सिंह तक की 100 साल की शानदार यात्रा में दिल्ली विश्वविद्यालय ने कई मील के पत्थर तय किए हैं। इस विश्वविद्यालय ने दुनिया को आठ राष्ट्राध्यक्ष, देश को सैकड़ों सांसद, शीर्ष 100 फॉर्च्यून कंपनियों को सीईओ, अनगिनत फिल्मी सितारे, साहित्यकार, वैज्ञानिक, समाजसेवी, कलाकार, संस्कृतिवेत्ता और खिलाड़ी दिए हैं। इस विश्वविद्यालय के सौ से अधिक यशस्वी छात्र पद्म पुरस्कार से अलंकृत किए जा चुके हैं। यह विश्वविद्यालय कई पाठ्यक्रमों और नीतियों के माध्यम से महिला–पुरूष समानता और महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आज एक समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय के साथ–साथ 33 अन्य विशाल पुस्तकालय हैं और इसके विभिन्न कॉलेजों में 80 से भी अधिक पुस्तकालय हैं, जिसमें 6.6 मिलियन से भी अधिक पुस्तकों का भंडार मौजूद है। विश्वविद्यालय ने अपने नॉर्थ और साउथ कैंपस में सभी कॉलेजों और विभागों को जोड़ने वाले फाइबर–ऑप्टिक नेटवर्क भी बिछाया है।

चारों दिशाओं में तेजी से बढ़ते दिल्ली शहर को ध्यान में रखते हुए 1973 में साउथ कैंपस की स्थापना की गई। 1984 में यह कैंपस धौला कुआं के पास 69 एकड़ के हरे–भरे पहाड़ीनुमा स्थल पर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त तीन स्वास्थ्य केंद्र भी हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस में स्टाफ के लिए कुछ आवासीय क्वार्टर भी मौजूद हैं। यहां बाहर से पढ़ने आए छात्रों के लिए कई छात्रावास उपलब्ध हैं, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय छात्रावास भी शामिल हैं।

सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (सीडब्ल्यूयूआर) की रैंकिंग के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है और नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में 8वां स्थान प्राप्त किया है। यह विश्वविद्यालय शीर्ष 10 भारतीय सार्वजनिक शिक्षण संस्थाओं/विश्वविद्यालयों में से एक है और क्यूएस ब्रिक्स विश्वविद्यालय रैंकिंग के अनुसार भारतीय सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर है। विश्वविद्यालय का एच–इंडेक्स भारतीय विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक 192 तक रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के विजन और मिशन के अंतर्गत लक्ष्य की प्राप्ति में इसका निरंतर दृढ़ संकल्प परिलक्षित होता है। यह विश्वविद्यालय छात्रों को सर्वोत्तम उच्चतर शिक्षा प्रदान करने तथा विश्वविद्यालय समुदाय और विश्व समुदाय के बीच सेतु के रूप में कार्य करते हुए न केवल अपने देश, बल्कि पूरी दुनिया के लिए उज्ज्वल और सतत विकासमान भविष्य गढ़ने हेतु प्रेरक के रूप में अग्रणी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली विश्वविद्यालय बहुआयामी शिक्षा और स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक समुदायों के साथ निरंतर कार्य करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के अपने सांस्कृतिक आदर्श को ध्यान में रखते हुए विश्वभर से आए अपने छात्रों को इस प्रेरित भाव से भरना है ताकि वे जीवनपर्यंत उत्तरोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के मार्ग पर अग्रसर रहें।

डाक विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में इसके योगदान की सराहना करता है।

आभार

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रोफेसर अमरजीव लोचन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 1000 पैसे
Denomination	: 1000 p
मुद्रित डाक–टिकटें	: 674000
Stamps Printed	: 674000
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY 3D.html

मूल्य ₹ 5.00